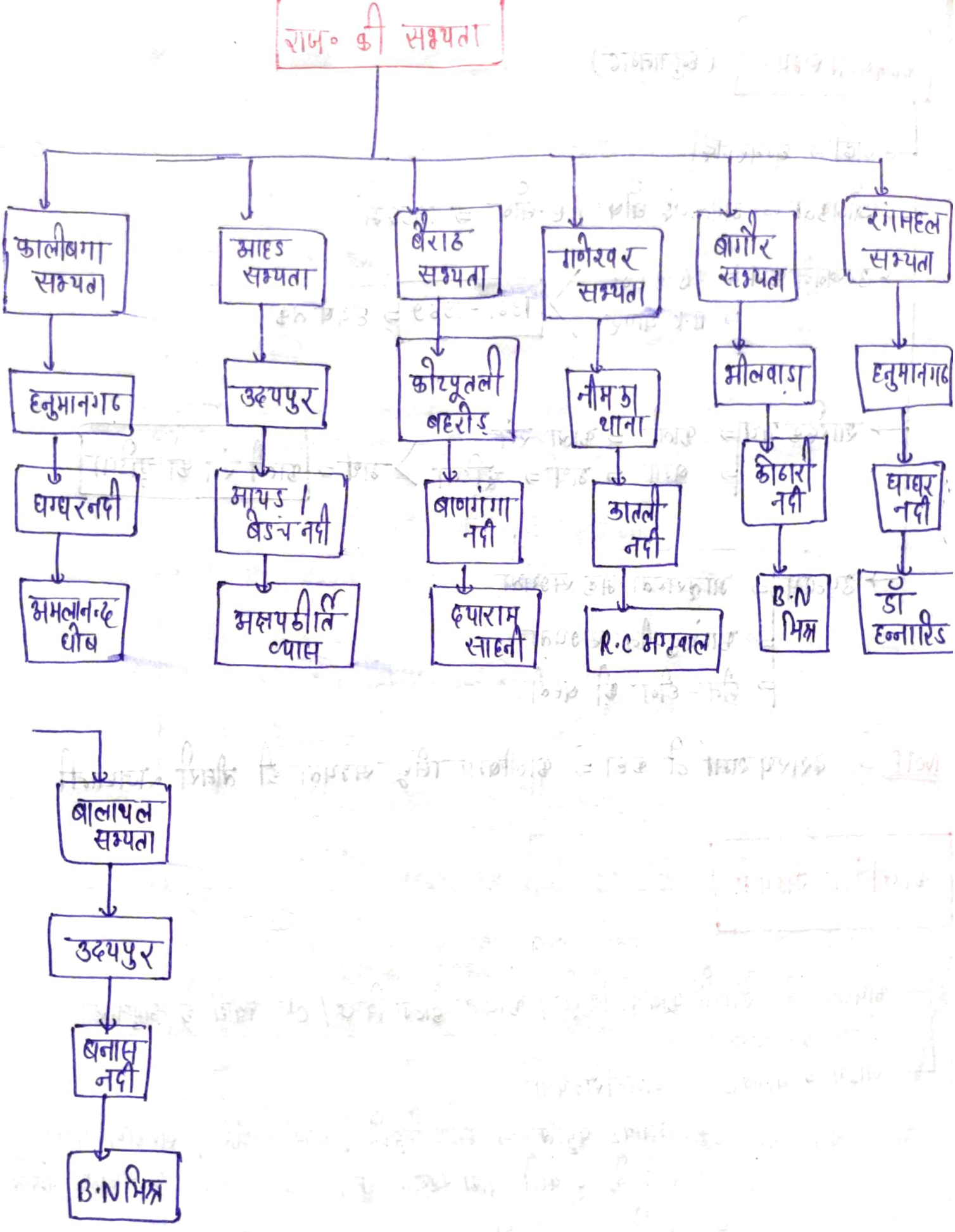

राज० की सभ्यता
कालीबंगा सभ्यता
हनुमानगढ़
घग्घर नदी
अमलानन्द घोष
आहड़ सभ्यता
उदयपुर
आयड़ / बेड़च नदी
अक्षयकीर्ति व्यास
बैराठ सभ्यता
कोटपूतली बहरोड़
बाणगंगा नदी
दयाराम साहनी
गणेश्वर सभ्यता
नीमकाथाना
कांतली नदी
R.C अग्रवाल
बागौर सभ्यता
भीलवाड़ा
कोठारी नदी
B.N मिश्र
रंगमहल सभ्यता
हनुमानगढ़
घग्घर नदी
डॉ हन्नारिड
बालाथल सभ्यता
उदयपुर
बनास नदी
B.N मिश्र

कालीबंगा सभ्यता (हनुमानगढ़)

- नदी ⇒ घग्घर नदी
- खोजकर्ता ⇒ अमलानंद घोष / ए. घोष ⇒ 1952 में
- उत्खनन कर्ता ⇒ B.B Lal / B.K थापर ⇒ 1961 - 1969 ⇒ 8 वर्ष तक
- शाब्दिक अर्थ ⇒ काली ⇒ काला रंग / बंगा ⇒ अर्थ ⇒ चूड़िया ⇒ अर्थ ⇒ काली रंग की चूड़िया
- उपनाम ⇒ मातृसत्तात्मक सभ्यता
  - ⇒ कांस्ययुगीन सभ्यता
  - ⇒ दीन - हीन की बस्ती

NOTE ⇒ दशरथ शर्मा ने कहा ⇒ कालीबंगा सिंधु सभ्यता की तीसरी राजधानी

कालीबंगा सभ्यता

- कार्यकाल ⇒ रेडियो कार्बन विधि / कार्बन डेटिंग विधि / C^{14} विधि के अनुसार
- साक्ष्य ⇒ बसावट ⇒ नगरी सभ्यता
  - ⇒ बसावट पद्धति ⇒ ग्रिड पद्धति / जल पद्धति / समकोण पद्धति / ऑक्सफोर्ड पद्धति
  - ⇒ घरो के दरवाजे पीछे खुलते थे।
  - ⇒ शान्ति प्रिय लोग थे
  - ⇒ नालियों का निर्माण लकड़ी से (बांस की)
  - ⇒ घरो / भवनो का निर्माण कच्ची ईटो से इसलिए दीन - हीन की बस्ती कहते है।
  - ⇒ यहा के घरो / भवनो की दीवारो में दरारे मिली

note ⇒ विश्व में सर्वप्रथम भूकम्प के साक्ष्य मिले है।

- यहां मृण्मूर्तियां मिली।
  - अर्थ ⇒ मिट्टी की मूर्तियां
- समाज ⇒ मातृसत्तात्मक / महिला प्रधान समाज था।
- धातु ⇒ कांसा प्रयोग करते थे। कांस्ययुगीन सभ्यता
- व्यवसाय ⇒ कृषि + पशुपालन ⇒ मिश्रित कृषि
  - फसल ⇒ गेहूँ, जौ, चना, सरसों ⇒ संयुक्त कृषि
  - विश्व में सर्वप्रथम जुते हुए खेत के साक्ष्य मिले
  - यहां खेतों में काटती हुए हल रेखाएं मिली जो एक से अधिक फसल करने का साक्ष्य देती है।
  - एक तन्दूरी चूल्हा मिला
  - यहां एकाकी परिवार प्रणाली थी
  - 1 हवनकुण्ड / अग्निवेदिकाएं मिली। जिनमें हड्डियां मिली
  - बलि प्रथा प्रचलित थी
  - यहां से अण्डाकार कब्रे मिली जिन्हे चिराघू कहा जाता है।
  - दफनाते समय मृत व्यक्ति का सिर उत्तर मे or पैर दक्षिण में रखते थे।
  - 1 युग्मित कब्र मिली। जिनमे एक पुरुष 1 महिला का साक्ष्य मिला।
  - सती प्रथा प्रचलित थी।
  - 1 खोपड़ी मिली जिसमे 6 छिन्द्र मिले
  - यहां रोग मिला ⇒ कपालभाती। हाइड्रोसेफलीज रोग की जानकारी मिली।
  - शल्य चिकित्सा की जानकारी मिली।

→ एक चित्र मिला जिसमें एक व्यक्ति **पशु** को लेकर आगे बढ़ रहा है।
→ पहचान ⇒ ऊँट
→ यहा से ऊँट पालन की जानकारी मिली।
→ यहाँ 1985-86 में **कालीबंगा संग्रहालय** बनाया गया था।
→ यहाँ से घरो में अलंकृत फर्श मिले।
→ गोपीनाथ शर्मा के अनुसार ⇒ कालीबंगा सभ्यता का पतन प्राकृतिक प्रकोप (भूकंप) से हुआ था।

आहड़ सभ्यता (उदयपुर)

→ **आहड़**
- → प्राचीन नाम ⇒ आघाटपुर / आघाटदुर्ग
- → स्थानीय नाम ⇒ धूलकोट / धूलरकोट
  - → अर्थ ⇒ रेत का टीला
- → सभ्यता के नाम ⇒ बनास संस्कृति की सभ्यता
  - ⇒ ताम्रनगरी / ताम्रवती नगरी सभ्यता
  - ⇒ मृदभाण्डो की सभ्यता
- → आयड़नदी / बेड़च नदी के किनारे विकसित सभ्यता
- → खोजकर्ता ⇒ अक्षयकीर्ति व्यास - 1953 में
- → उत्खननकर्ता ⇒ R.C अग्रवाल / रतनचन्द्र अग्रवाल
  ⇒ H.D साकलिया / हंसमुखदास साकलिया
  > समय ⇒ 1961-62

→ साह्य → ग्रामीण सभ्यता थी
→ समाज - पितृसत्तात्मक था
→ 6 चूल्हे मिले or समूह वाले चूल्हे मिले
→ संयुक्त परिवार प्रणाली थी।
→ ताबा गलाने की भट्टिया मिली।
→ ताम्रनगरी सभ्यता कहलाई
→ 3 मोहर 6 मुद्रा मिली ये यूनानी मुद्रा थी
→ इन मुद्राओं पर यूनानी देवता अपोली का चित्रांकन मिला।
→ यूनान से व्यापार करने के साक्ष्य मिले
→ मृदभाण्डो की सभ्यता
→ यहा से धान/चावल की खेती के साक्ष्य मिले
→ यहाँ अनाज संग्रहालय के लिए मिट्टी से निर्मित
⇒ गोरे / कोठे / ओबरी / मैली।
→ मृत व्यक्ति को दफनाने की प्रथा मिली इसमें सिर उत्तर मे or पैर दक्षिण मे रखे जाते थे
→ मृत व्यक्ति को आभूषणो को साथ दफनाने की प्रथा थी
→ यहाँ नालियो की चक्रकूप पद्धति थी।

[NOTE] ⇒ चक्रकूप पद्धति ⇒ इसमें गड्ढा करके एक के ऊपर एक छिद्रित मटका रखा जाता था

बैराठ सभ्यताएँ

स्थित है ⇒ वर्तमान में ⇒ कोटपूतली बहरोड़ मे
⇒ प्रारम्भ मे ⇒ जयपुर में

⇒ बीजक डूगरी ⇒ आबू / शैलालेख
⇒ भीम डूगरी

- भीमली डूंगरी
- महादेव डूंगरी

भाबू शीलालेख

- खोजकर्ता ⇒ कैप्टन बर्ट 1837
- लिखवाया ⇒ अशोक मौर्य
- लिखा मिला ⇒ अशोक के बौद्ध धर्म की बुद्ध + धर्म + संघ नीति मिली।
- वर्तमान में रखा है। ⇒ कलकत्ता संग्रहालय में

बैराठ की पहाड़ी

- उद्गम हुआ
  - बाणगंगा / अर्जुन की गंगा
  - तीर की गंगानदी
    - इसके किनारे विकसित सभ्यता ⇒ **बैराठ सभ्यता**

⇒ इस सभ्यता पर प्रभाव पड़ा था
- ⇒ महाभारत काल का
- ⇒ मौर्यकाल

⇒ यह क्षेत्र महाभारत काल में **मत्स्य जनपद** कहलाता था
- इसकी राजधानी ⇒ विराटनगर थी
- विराटनगर में राजा विराट के यहां पाण्डवों ने अपना अज्ञातवास बिताया था

⇒ खोजकर्ता ⇒ दयाराम साहनी ⇒ 1936-37

⇒ उत्खननकर्ता
- ⇒ नीलरत्न बनर्जी (N.R बनर्जी)
- ⇒ कैलाशनाथ दीक्षित

समय ⇒ 1962-63 में

⇒ राज० की एकमात्र ऐसी सभ्यता जिसकी खोज स्वतन्त्रता से पहले उत्खनन स्वतन्त्रता के बाद हुआ था।

साक्ष्य

- यहा से बौद्ध मठ / बौद्ध स्तूप प्राप्त हुए थे।
- यहा एक प्रतिमा प्राप्त हुई जो मानव सात बुद्ध की पहली प्रतिमा थी।
- यहा से मंजूषा / कलश प्राप्त हुआ। जिसमे आस्थिया मिली है। जिन्हे महात्मा बौद्ध की आस्थिया कहा गया।
- एक सूती कपड़ा मिला जिसमे **36 मुद्रा** बंधी मिली
  - 28 → इण्डोग्रीक यूनानी मुद्रा
  - 8 → पंचमार्क
- यहा से

गणेश्वर सभ्यता (नीम का थाना, सीकर)

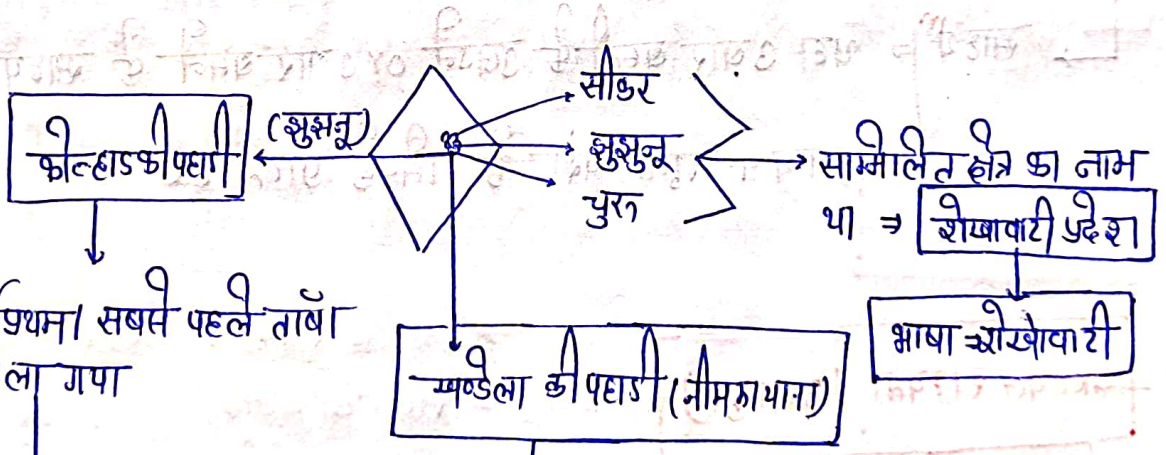

- कोल्हाड की पहाड़ी (झुंझुनू) → यहाँ सर्वप्रथम / सबसे पहले तांबा निकाला गया
  - उपनाम ⇒ ताम्रजननी सभ्यता
  - अन्य दुसरा नाम ⇒ ताम्र संचयी सभ्यता
- सीकर, झुंझुनू, पुरु → सम्मीलित क्षेत्र का नाम था ⇒ **शेखावाटी प्रदेश** → भाषा ⇒ शेखावाटी
- खण्डेला की पहाड़ी (नीमकाथाना) → उद्गम हुआ ⇒ कातली नदी ⇒ इसके किनारे विकसित सभ्यता ⇒ गणेश्वर सभ्यता
  - कातली नदी के प्रवाह क्षेत्र को तोरावाटी कहते है।

→ खोजकर्ता / उत्खननकर्ता ⇒ R.C अग्रवाल / रतनचन्द्र अग्रवाल ⇒ **1972-77**

→ साक्ष्य ⇒ ⇒ यहा घर / बांधो का निर्माण पत्थरो से हुआ था।
⇒ यहाँ वाणाग्र मिला
↳ अर्थ ⇒ तीर का अगला नुकीला भाग
⇒ शिकार करते थे।
⇒ लोग मांसाहारी + शाकाहारी ⇒ सर्वाहारी थे।
↳ यहाँ मछली पकड़ने का कांटा मिला।

→ रंगमहल सभ्यता (हनुमानगढ़)

→ खोजकर्ता ⇒ स्वीडिश हल ने डॉ हन्नारिड के नेतृत्व मे
→ नदी किनारे ⇒ घग्घर नदी पर
→ साक्ष्य ⇒ यहा 3 बार बस्ती के उजड़ने or 3 बार बसने के साक्ष्य मिले
⇒ कुषाण + गुप्त वंश के सिक्के प्राप्त हुए

→ बालाथल सभ्यता (उदयपुर)

→ नदी पर ⇒ बनास नदी पर
→ खोजकर्ता ⇒ B·N मिश्र
m → साक्ष्य ⇒ यहाँ 11 कमरो का भवन मिला है।
m → यहा हाथ से बुना हुआ कपड़ा मिला
m → NOTE ⇒ लेकिन सूती कपड़ा मिला ⇒ बैराठ (जयपुर)

→ बागौर सभ्यता (भीलवाड़ा)

- नदी पर ⇒ कोठारी नदी पर
- खोजकर्ता ⇒ B.N मिश्र
- साक्ष्य ⇒ यहा से विश्व मे सर्वप्रथम पशुपालन की जानकारी मिली।

→ रैढ सभ्यता (टोंक) ⇒
- उपनाम ⇒ प्राचीन भारत का टाटानगर
- नदी ⇒ ढील नदी

→ गिलूण्ड सभ्यता → राजसमंद

→ नगरी सभ्यता → चित्तौड़गढ़

→ नगर सभ्यता → टोंक

→ जोधपुरा सभ्यता → जयपुर